भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

खम्मा घणी

अक्टूबर - दिसंबर 2024

खंड -2 वर्ष - 2024-25 अंक -7

Convocation 2024
Mrs. Krishna Devi Sanadhya

Indian Institute of Technology Jodhpur
Convocation 2024
Mrs. Krishna Devi Sanadhya

Convocation 2024

निदेशक महोदय की कलम से

संस्थान की हिंदी समाचार पत्रिका "खम्मा घणी" के इस सातवें अंक का विमोचन करते हुए मुझे अत्यंत गर्व और प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। पिछले अंक की तरह इस अंक में भी संस्थान में चल रही गतिविधियों की एक महत्वपूर्ण झलक प्रस्तुत की गई है। संस्थान राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग एवं विकास के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में संस्थान ने 02-03 दिसंबर को तकनीकी हिंदी संगोष्ठी तथा 14 सितंबर से 15 अक्टूबर तक हिंदी माह का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

26 अक्टूबर को आयोजित 10वें दीक्षांत समारोह में भा.प्रौ.सं. जोधपुर के इतिहास में पहली बार एक ही वर्ष में 1000 छात्र स्नातक हुए। इस अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। साथ ही भारत सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री राम माधव भी उपस्थित रहे। संस्थान को इस वर्ष भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा ग्रैंड जूरी पुरस्कार भी मिला, जो पिछले 16 वर्षों के अथक प्रयासों का परिणाम है। यह संस्थान की परिपक्वता का प्रतीक है। इसके साथ ही परिसर में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए नई इमारतों का भी उद्घाटन किया गया।

संस्थान की प्रगति हमारे विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण और उत्साह के बिना संभव नहीं है। मैं सभी को इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए बधाई देता हूँ। हमें न केवल शैक्षणिक और अनुसंधान में उत्कृष्टता हासिल करनी है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्वों को भी पूरा करना है।

इस हिंदी पत्रिका के लिए प्रकाशन मंडल और हिंदी प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना करता हूँ। मैं इस विश्वास के साथ अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ कि संस्थान राजभाषा के विकास के पथ पर नित नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा।

जय हिंद, जय भारत

प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल
निदेशक

मुख्य संरक्षक

प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल

निदेशक / अध्यक्ष,

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

प्रकाशन मंडल

डॉ. विवेक विजय

सह-आचार्य, गणित विभाग

डॉ. जयनारायण त्रिपाठी

सह-आचार्य

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. कनक यादव

सहायक आचार्य

स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स

डॉ. मयंक सुमन

सहायक आचार्य, सिविल विभाग

डॉ. नितिन भाटिया

सह-आचार्य

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग एवं हिंदी अधिकारी

सम्पादकीय

इस हिंदी पत्रिका के माध्यम से संस्थान में चल रही दैनिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को आप तक पहुंचाना हमारे लिए गर्व की बात है। संस्थान राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार के लिए बहुत से कार्य कर रहा है।

इस तिमाही हमारे मुख्य कार्यो में प्रशासनिक पत्राचार एवं अन्य कामकाज द्विभाषी माध्यम में करना, कार्मिकों द्वारा अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने के लिए हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सुचारू क्रियान्वयन, हिंदी माह का आयोजन, तकनीकी हिंदी संगोष्ठी आदि प्रमुख हैं। इस अंक में संस्थान के 10वें दीक्षांत समारोह के साथ-साथ गांधी जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के ब्यौरे को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा संस्थान में हो रही कुछ प्रमुख पहलों जैसे “सुरक्षा: सीखने का एक सफल दिन” के बारे में भी रोचक जानकारी दी गई है जो विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए संभवत: रोचक रही है।

“खम्मा घणी” पत्रिका के लिए प्राप्त प्रविष्टियों के लिए योगदानकर्ताओं को धन्यवाद, आगे भी इसी प्रकार सहयोग बना रहे ऐसी अपेक्षा है। इस पत्रिका में प्रयुक्त छायाचित्रों के लिए जनसंपर्क कार्यालय का धन्यवाद।

डॉ. नितिन भाटिया
हिंदी अधिकारी

<u>नोट:</u> इस पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने हैं, संपादक मंडल का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

<u>संपर्क सूत्र</u> – office_hindi@iitj.ac.in <u>दूरभाष</u> - +91 291 2801199

अनुवाद - अशोक गहलोत, कनिष्ठ अधीक्षक

कवर डिज़ाइन- शिखा पाराशर, डिज़ीटल कॉन्टेट डिज़ाइनर, शुभम अरोड़ा, डिज़ीटल कॉन्टेट डिज़ाइनर

डिजाइन और संकलन - करण सिंह राजपुरोहित, आउटसोर्स स्टाफ, हिन्दी प्रकोष्ठ

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	दीक्षांत समारोह 2024	06
2.	तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 2024	11
3.	हिंदी माह 2024 का सफल आयोजन	19
4.	गाँधी जयन्ती कार्यक्रम	23
5.	एक भारत श्रेष्ठ भारत - युवा संगम	24
6.	विश्व एड्स दिवस 2024	27
7.	राष्ट्रीय एकता दिवस	28
8.	सुरक्षा: सीखने का एक सफल दिन	29
9.	संविधान और जनजातीय गौरव दिवस	30
10.	मानद उपाधि पुरस्कार समारोह	31
11.	STEM शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम	34
12.	अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला - कोफ्हा 2024	35
13.	भारतीय उद्योग परिसर CII द्वारा ग्रैंड जुरी पुरस्कार	37
14.	नवरात्रि उत्सव 2024	39
15.	राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024	43
16.	ग्राम पंचायत विकास योजना	44
17.	ग्राम स्तरीय नेतृत्व में नया चेहरा	45
18.	समझौता ज्ञापन	46

दीक्षांत समारोह 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का 10वां दीक्षांत समारोह 26 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ थे साथ ही भारत सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री राम माधव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक आयोजन की शोभा बढ़ाई। दीक्षांत समारोह के दौरान बी.टेक., एम.टेक., एम.एससी., एमबीए, मास्टर्स इन मेडिकल टेक्नोलॉजी और पीएचडी जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में 1000 से अधिक छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के इतिहास में पहली बार एक साल में 1000 छात्रों के स्नातक होने का आंकड़ा भी पार किया गया। यह स्पष्ट रूप से पिछले 16 वर्षों में भा.प्रौ.सं. जोधपुर द्वारा अर्जित की गई परिपक्वता के संकेतों को दर्शाता है। इसके अलावा, संकाय और कर्मचारी आवास परिसर का उद्घाटन किया गया, जो परिसर के बुनियादी ढांचे को बढ़ाएगा और संस्थान के शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए एक जीवंत समुदाय को बढ़ावा देगा। भा.प्रौ.सं. जोधपुर शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता लाने के अपने मिशन को जारी रखता है, और 10वां दीक्षांत समारोह संस्थान की निरंतर वृद्धि और उपलब्धियों का प्रमाण है।

इस वर्ष का दीक्षांत समारोह दो सत्रों में आयोजित किया गया । पहले सत्र में सभी स्नातक छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राम माधव द्वारा उद्बोधन दिया गया। दूसरा सत्र, मुख्य कार्यक्रम, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा सम्बोधित किया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष श्री ए.एस. किरण कुमार ने भी छात्रों की अपार क्षमता और जिम्मेदारी पर अपने विचार साझा किए। प्रेरक शब्दों द्वारा छात्रों को बड़े सपने देखने और भारत और दुनिया के उज्जवल भविष्य में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। स्नातक समारोह के उपरांत, इस कार्यक्रम में एआईओटी फैब प्रयोगशाला और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकाई भवन परिसर का उद्घाटन भी हुआ।

मुख्य अतिथि माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी द्वारा उद्बोधन

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने ज्ञान और प्रोत्साहन के शब्दों के साथ सभा को संबोधित किया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, "भा.प्रौ.सं. जोधपुर जैसे संस्थान ऐसे मस्तिष्कों का पोषण कर रहे हैं जो आने वाले वर्षों में भारत की प्रगति को आगे बढ़ाएंगे। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्नातक होते देखना सौभाग्य की बात है जो निस्संदेह विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशाली योगदान देंगे।"

डॉ. राम माधव ने भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने स्नातकों को पारंपरिक सीमाओं से परे रास्ते तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया, और अपनी भा.प्रौ.सं. शिक्षा के वैश्विक महत्व को दोहराया। श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भविष्य के नेताओं के रूप में स्नातकों की जिम्मेदारियों पर जोर दिया, और उनसे समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देने का आग्रह किया।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक एवं माननीय पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी का भाषण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने संस्थान की पिछले दस वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. अग्रवाल ने कहा, "हमारा संस्थान न केवल विकसित हुआ है, बल्कि स्वयं को ज्ञान और शोध के एक केंद्र के रूप में ढ़ाला है। इस वर्ष का स्नातक वर्ग प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो समाज में सार्थक योगदान देगा।" निदेशक ने सभी स्नातकों को हार्दिक बधाई दी, और ईमानदारी, नवाचार और सामाजिक योगदान के मूल्यों को बनाए रखने की उनकी जिम्मेदारी पर जोर दिया।

समारोह में शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले असाधारण छात्रों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय रूप से, यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्र रुशिल समीर पटेल को बी.टेक. छात्रों के बीच उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों में सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए अध्यक्ष का स्वर्ण पदक शामिल था, जो विद्युत अभियांत्रिकी के मितार्थ अरोड़ा को दिया गया और निदेशक का स्वर्ण पदक, शिवाली केतन शाह को दिया गया, जो महिला बी.टेक. छात्रों के बीच उत्कृष्टता को मान्यता देता है।

उपाधियां प्रदान करने के अलावा, दीक्षांत समारोह में अनुसंधान और नवाचार में भा.प्रौ.सं. जोधपुर की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। पदक प्राप्त करने वालों में **सामग्री अभियांत्रिकी से दीपिका सक्सेना शामिल थीं, जिन्हें** एम.टेक. छात्रों के बीच उनकी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जगदीश चंद्र बोस स्वर्ण पदक मिला, और **अनूप कुमार मौर्य** , जिन्हें यांत्रिक अभियांत्रिकी में उनके अनुकरणीय पीएच.डी. शोध कार्य के लिए सी.वी. रमन स्वर्ण पदक मिला।

यहाँ प्रदान की गई डिग्रियों का विवरण दिया गया है:

1.	**बी.टेक.**	**425**
2.	एम.टेक.	370
3.	एमबीए	77
4.	एम.एससी.	76
5.	पीएच.डी.	24
6.	पीजी डिप्लोमा/सर्टिफिकेट	87
7.	एम.एससी.-एम.टेक. दोहरी डिग्री	17
8.	मेडिकल टेक्नोलॉजी में मास्टर	7
9.	एम.एससी. (माइनर/स्पेशलाइजेशन)	6
10.	बी.टेक. (माइनर/स्पेशलाइजेशन)	35
11.	एम.टेक.-पीएचडी दोहरी डिग्री	1

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की उल्लेखनीय उपलब्धियां

10वें दीक्षांत समारोह में कई उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया, जिन्होंने नवाचार, सततता और शैक्षणिक विकास के प्रति भा.प्रौ.सं. जोधपुर की प्रतिबद्धता को परिभाषित किया है, जिनमें शामिल हैं :

भा.प्रौ.सं. जोधपुर की कुछ उल्लेखनीय पहलें इस प्रकार हैं:

एकीकृत बी.एससी.-बी.एड. कार्यक्रम : संस्थान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, STEM शिक्षा में मजबूत आधार के साथ भावी शिक्षकों को तैयार करने के लिए भारत का पहला एकीकृत बी.एससी.-बी.एड. कार्यक्रम शुरू किया।

सतत विकास प्रयास: भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने वृक्षारोपण अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप परिसर में 20,000 से अधिक पेड़ लगाए गए और स्थानीय जल सततता को बढ़ाने के लिए परिसर में भूजल पुनर्भरण तालाब स्थापित किए गए।

डिजाइन स्कूल: नव स्थापित डिजाइन स्कूल, एक्सआर डिजाइन में एम.डिजाइन (M.Des.) और डिजाइन में पीएच.डी. (Ph.D. in Design) जैसे कार्यक्रम प्रदान करता है, जो नवीन अनुसंधान और डिजाइन सोच के माध्यम से उद्योग की जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है।

स्वच्छ ऊर्जा में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए ऋषभ केंद्र (R.C.R.I.C.E.-Rishabh Centre for Research and Innovation in Clean Energy): उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करते हुए, भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने वैकल्पिक ईंधन, ऊर्जा भंडारण और स्मार्ट ग्रिड नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए टिकाऊ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए आर.सी.आर.आई.सी.ई. की स्थापना की।

एम्स जोधपुर के साथ साझेदारी: आईआईटीजे-एम्स मेडिकल टेक्नोलॉजी सेंटर, चिकित्सा प्रौद्योगिकी में संयुक्त मास्टर और पीएचडी डिग्री जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा नवाचार में सहयोग को बढ़ावा देता है, जिससे स्वास्थ्य सेवा समाधान तैयार होते हैं और उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है।

एआईओटी इनोवेशन हब: आर.आई.एस.एल. और जे.सी.के.आई.एफ. के साथ साझेदारी में विकसित यह केंद्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और IoT (एआईओटी) में नवाचार का समर्थन करता है, प्रोटोटाइप सुविधाएं प्रदान करता है और उद्योग 4.0 और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने 30 से अधिक देशों में साझेदारी के साथ अपने वैश्विक पहुंच का विस्तार किया है, जिससे शैक्षणिक आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय छात्र नामांकन में वृद्धि हुई है।

डिजिटल डिग्री की पहल: भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने डिजिटल उपाधि जारी करने के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को अपनाया, जिससे स्नातकों को सत्यापित प्रमाण-पत्रों को सुरक्षित रूप से साझा करने में मदद मिली, जिससे उनकी योग्यता की पारदर्शिता और वैश्विक मान्यता को बढ़ावा मिला।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम: संस्थान ने उच्च मांग वाले क्षेत्रों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा इंजीनियरिंग और वी.एल.एस.आई. में ऑनलाइन कार्यक्रम शुरू किए, जो पूरे भारत में कार्यरत पेशेवरों को सुलभ, उद्योग-संरेखित (industry-aligned) शिक्षा प्रदान करते हैं।

ये पहल स्थिरता, शैक्षिक उत्कृष्टता, अंतःविषयक अनुसंधान और वैश्विक सहयोग के प्रति भा.प्रौ.सं. जोधपुर की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

10वें दीक्षांत समारोह का समापन गर्व और उपलब्धि की भावना के साथ हुआ, जिसमें संकाय सदस्य, छात्र और विशिष्ट अतिथि एक दशक की उपलब्धियों का जश्न मनाने में शामिल हुए। स्नातक करने वाले छात्र अब भा.प्रौ.सं. जोधपुर की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर सार्थक प्रभाव डालने के लिए ज्ञान, कौशल और मूल्यों से परिपूर्ण हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का 10वां दीक्षांत समारोह एक यादगार मील का पत्थर साबित हुआ। भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने 10वें दीक्षांत समारोह में अपने स्नातकों का गौरवपूर्वक जश्न मनाया। छात्रों को हार्दिक बधाई और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता के साथ, हमने समर्पण और सफलता के इस अद्भुत उत्सव का समापन किया।

विद्यार्थीओं को दिए गए पदकों का विवरण निम्नलिखित है :-

क्र.सं.	पदक का नाम	विवरण	पदक विजेता का नाम
1.	राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक	2024 की कक्षा के सभी बी.टेक. कार्यक्रमों के छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	रुशिल समीर पटेल (बी20एमई064) मैकेनिकल इंजीनियरिंग
2.	अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, स्वर्ण पदक	2024 की कक्षा के सभी बी.टेक. कार्यक्रमों के छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए	मित्तार्थ अरोड़ा (बी20ईई096) विद्युत अभियांत्रिकी
3.	निदेशक स्वर्ण पदक	2024 की कक्षा के सभी बी.टेक. कार्यक्रमों की छात्राओं के बीच सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए	शिवाली केतन शाह (बी20एमई071) यांत्रिक अभियांत्रिकी
4.	जगदीश चंद्र बोस स्वर्ण पदक	2024 की कक्षा के सभी एम.टेक. कार्यक्रमों के छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	दीपिका सक्सेना (एम22एमटी007) सामग्री अभियांत्रिकी
5.	सी.वी. रमन स्वर्ण पदक	2024 की कक्षा के सभी पीएचडी कार्यक्रमों के छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ थीसिस कार्य के लिए	अनूप कुमार मौर्य (पी19एमई007) यांत्रिक अभियांत्रिकी
6.	निदेशक पुरस्कार	2024 की कक्षा के सभी बी.टेक. कार्यक्रमों के छात्रों के बीच सर्वोत्तम शैक्षणिक नवाचार कार्य के लिए यह कार्य चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए शरीर की आकृति का पता लगाने हेतु रोबोट के नियंत्रण पर था।	श्रेया शुक्ला (बी20ईई066) और नकुल शर्मा (बी20एआई024)
7.	रजत पदक	बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	देवांश नरेश बंसल (बी20सीएस094)
8.	योग्यता का प्रमाण पत्र	बी.टेक के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए (विद्युत अभियांत्रिकी) कार्यक्रम	नागदा यश नरेन्द्र (बी20ईई092)
9.	योग्यता का प्रमाण पत्र	बी.टेक. (जैव अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	हाइफा निसार देसाई (बी20बीबी013)
10.	रजत पदक	बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	रुशिल समीर पटेल (बी20एमई064)

11.	योग्यता का प्रमाण पत्र	बी.टेक. (कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	मुकुल शिंगवानी (बी20एआई023)
12.	योग्यता का प्रमाण पत्र	बी.टेक. (रसायन अभियांत्रिकी) प्रोग्राम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	भवनीत कौर हरदीप सिंह खालसा (बी20सीएच012)
13.	योग्यता का प्रमाण पत्र	बी.टेक. (सिविल एवं अवसंरचना अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	अभिनव सिंह तवर (बी20सीआई004)
14.	योग्यता का प्रमाण पत्र	बी.टेक. (सामग्री अभियांत्रिकी) प्रोग्राम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	यश जांगिड़ (बी20एमटी051)
15.	रजत पदक	एम.टेक. (उन्नत विनिर्माण और डिजाइन) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	अमृतांशु सिंह (एम22एमई019)
16.	योग्यता का प्रमाण पत्र	एम.टेक. (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	दत्तात्रेय रॉय (एम22सीएस060)
17.	रजत पदक	एम.टेक. (कृत्रिम बुद्धिमत्ता - कार्यकारी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	सोनू श्रेष्ठ (एम20एआईई306)
18.	रजत पदक	एम.टेक. (जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	साक्षी सिंह (एम22बीबी005)
19.	रजत पदक	एम.टेक. (रसायन अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	अनुष्का सिंह (एम22सीएच003)
20.	योग्यता का प्रमाण पत्र	एम.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	अज्जरापु ज्योति (एम22सीएस007)
21.	रजत पदक	एम.टेक. (साइबर फिजिकल सिस्टम्स) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	राज राजेश्वर कनोड़िया (एम22ईई007)
22.	रजत पदक	एम.टेक. (डेटा और कम्प्यूटेशनल विज्ञान) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	वंदिता अग्रवाल (एम20एमए208)
23.	रजत पदक	एम.टेक. (डेटा और कम्प्यूटेशनल साइंसेज - कार्यकारी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	कथिजाफ्रॉस ए (एम22एआई564)
24.	रजत पदक	एम.टेक. (ऊर्जा में विशेषज्ञता के साथ अवसंरचना अभियांत्रिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	रतुल पांजा (एम22सीआई009)
25.	योग्यता का प्रमाण पत्र	एम.टेक. (पर्यावरण अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ अवसंरचना इंजीनियरिंग) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	अवदूत मणिदीप (एम22सीआई053)
26.	रजत पदक	एम.टेक. (इंटेलिजेंट कम्युनिकेशन सिस्टम) प्रोग्राम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	तनुज ग्रोवर (एम22ईई107)
27.	रजत पदक	एम.टेक. (सामग्री अभियांत्रिकी) प्रोग्राम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए	दीपिका सक्सेना (एम22एमटी007)
28.	रजत पदक	एम.टेक. (रोबोटिक्स और मोबिलिटी सिस्टम) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	करण भाकुनी (एम22आरएम003)
29.	रजत पदक	एम.टेक. (सेंसर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	उषा कुमारी (एम22ईई058)
30.	रजत पदक	एम.टेक. (थर्मोफ्लुइड्स इंजीनियरिंग) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	मोहित शर्मा (एम22एमई054)
31.	रजत पदक	मेडिकल टेक्नोलॉजीज प्रोग्राम में मास्टर्स (भा.प्रौ.सं. जोधपुर और एम्स जोधपुर द्वारा संयुक्त रूप से पेश) के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	देबाशीष पांडा (एम22आईडी003)
32.	रजत पदक	एमबीए-टेक प्रोग्राम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	इशिता दत्ता (एम22एमएस029)
33.	रजत पदक	एम.एससी. (डिजिटल मानविकी) प्रोग्राम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए	मानसी डी दुबे (एम22डीएच007)
34.	रजत पदक	एम.एस.सी. (भौतिकी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	अंकन रॉय (एम22पीएच003)
35.	रजत पदक	एम.एससी. (गणित) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	उत्कर्ष सहाय (एम22एमए066)
36.	रजत पदक	एम.एस.सी. (रसायन विज्ञान) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	सुमित साहू (एम22सीवाई015)
37.	रजत पदक	एम.एससी. (कम्प्यूटेशनल सोशल साइंस) प्रोग्राम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	राशिद यासीन शाह (एम22एसएल006)
38.	श्रीमती चंदर मोहिनी कपूर और श्री जीवन कपूर मेरिट पुरस्कार	एम.टेक. (डेटा और कम्प्यूटेशनल साइंसेज - कार्यकारी) कार्यक्रम के 2024 के स्नातक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए	कथिजाफ्रॉस ए (एम22एआई564)
39.	श्रीमती कृष्णा देवी सनाढ्य स्मृति पुरस्कार	बी.टेक के 2024 के स्नातक वर्ग में छात्राओं के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए। (कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी) कार्यक्रम	हर्षिता कलानी (बी20सीएस019)

तकनीकी हिन्दी संगोष्ठी 2024

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा 02 एवं 03 दिसम्बर 2024 को तकनीकी हिंदी संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस वर्ष यह आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इन्दौर के साथ संयुक्त रुप से किया गया था। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों में हो रहे तकनीकी नवाचारों को हिंदी भाषा में सरल एवं रुचिकर पाठ्य के माध्यम से छात्रों एवं शोधार्थियों के लिए उपलब्ध कराया जाना था जिससे तकनीकी क्षेत्र में हिंदी भाषा के प्रयोग का दायरा विस्तृत किया जा सके। इस आयोजन का विषय "विकसित भारत की दिशा में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान" था। इसमें देशभर से तकनीकी विशेषज्ञ, शोधकर्ता, कवि और स्कूली छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। संगोष्ठी का उद्घाटन दोनों संस्थानों के निदेशकों द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने इस आयोजन को भारतीय भाषाओं में तकनीकी और वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी में अतिथियों का स्मृति चिन्ह व पौधे देकर स्वागत करते पदाधिकारीगण

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री अनिल जोशी, पूर्व उपाध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, भारत सरकार थे। ऑनलाइन सत्र में श्री बालेंदु शर्मा दाधीच, निदेशक, स्थानीय भाषाएँ और सुगम्यता, माइक्रोसॉफ्ट, ने उपस्थित प्रतिभागियों को हिंदी में तकनीकी टूल्स के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उनकी प्रस्तुति ने विशेष रूप से छात्रों और तकनीकी कर्मियों का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त, संगोष्ठी में शामिल विशेषज्ञों में प्रो. हेम चंद्र झा (जैवविज्ञान और जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. इंदौर), प्रो. राजेश कुमार (भौतिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. इंदौर), डॉ. अमित गोयल (विभागाध्यक्ष, ओटोरहिनोलेरिंगोलॉजी, एम्स जोधपुर), प्रो. बी. रवींद्र (यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग), प्रो. आनंद मिश्रा, संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी विभाग एवं प्रो. विवेक विजय (गणित विभाग) भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

मंच पर उपस्थित संगोष्ठी आयोजन समिति के अध्यक्ष, निदेशक महोदय भा.प्रौ.सं. जोधपुर, मुख्य अतिथि श्री अनिल जोशी, आयोजन समिति के सह-अध्यक्ष

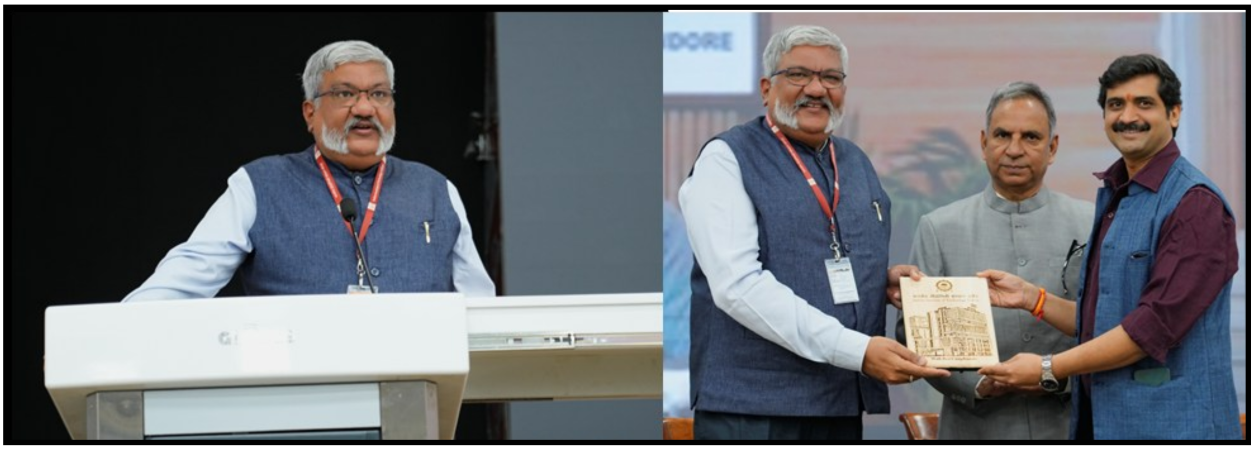

निदेशक महोदय द्वारा भाषण और प्रो. राजेश कुमार द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री अनिल जोशी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के प्रो. राजेश कुमार, आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. सौमित्र कुमार सनाढ्य की मंच पर उपस्थिति से हुई। जिसके पश्चात निदेशक महोदय द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह दिया गया। स्वागत भाषण संस्थान के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल द्वारा दिया गया। उन्होने सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं उत्साहवर्धन किया तथा आयोजन के लिए आयोजन समिति के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर को धन्यवाद दिया।

प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, निदेशक ने कहा कि "भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर राजभाषा के क्षेत्र में हमेशा से योगदान देता रहा है। इस योगदान से न केवल संस्थान बल्कि राष्ट्र एवं राजभाषा की उन्नति भी सुनिश्चित होती है। चुंकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर राजस्थान राज्य में स्थित है, जो कि राजभाषा के क्षेत्रवार तरीके से "क्षेत्र क" में है, इसलिए संस्थान का यह कर्तव्य है कि यह अधिकाधिक रूप में हिंदी को व्यापक रूप से बढ़ावा दे। साथ ही, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एक राष्ट्रीय महत्व वाला संस्थान है, इसलिए संस्थान का कर्तव्य है कि वह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का ज्ञान सरल हिंदी भाषा में आम लोगों के बीच साझा करे" भाषण का समापन आलेख प्रस्तुतकर्ताओं, आयोजन समिति के सदस्यों और हिंदी प्रकोष्ठ के कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाओं के साथ हुआ।

मंच पर उपस्थिति संगोष्ठी अध्यक्ष, निदेशक, भा.प्रौ.सं. जोधपुर, मुख्य अतिथि, संगोष्ठी सह-अध्यक्ष एवं निदेशक, भा.प्रौ.सं. इन्दौर (ऑनलाइन)

इसके बाद ऑनलाइन माध्यम से संगोष्ठी में मौजूद भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा कि यह संगोष्ठी हिंदी भाषा की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाने और बढ़ावा देने के हमारे सामूहिक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह संगोष्ठी वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में मील का पत्थर साबित होगी। आज की तेजी से विकसित दुनिया में, हमारी भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और पोषित करने के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। हिंदी, दुनिया में सबसे व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं में से एक होने के नाते, हमारे दिल और दिमाग में एक अद्वितीय स्थान रखती है। ये सिर्फ संचार का माध्यम ही नहीं, बल्कि हमारे इतिहास, परंपराओं और मूल्यों का भंडार भी है। उन्होने इस अवसर पर उन सभी आयोजकों, प्रतिभागियों और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस संगोष्ठी को वास्तविकता बनाने के लिए अथक प्रयास किया।

श्री अनिल जोशी, मुख्य अतिथि द्वारा भाषण एवं निदेशक महोदय द्वारा स्मृति चिह्न भेंट

मुख्य अतिथि श्री अनिल जोशी ने संगोष्ठी की सराहना करते हुए कहा कि आज का यह आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कार्यक्रम तकनीकी संवाद को हिंदी में प्रस्तुत करने का एक उत्कृष्ट प्रयास है, जो न केवल भाषा को समृद्ध करेगा, बल्कि वैज्ञानिक ज्ञान को भी समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में आयोजित तकनीकी हिंदी संगोष्ठी के अवसर पर कुल 106 आलेख प्रविष्टियों के रुप में प्राप्त हुए जिनमें से 96 आलेख प्रकाशन हेतु चुने गये। चयनित लेखों को एक आलेख संग्रह का रुप दिया गया है। मुख्य अतिथि श्री अनिल जोशी, पूर्व उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी संस्थान, भारत सरकार ने इस पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक में संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत किए गए विशिष्ट शोध पत्रों और आलेखों का संकलन किया गया है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने का अद्वितीय प्रयास है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. अविनाश के. अग्रवाल और अन्य गणमान्य अतिथियों ने पुस्तक की सराहना करते हुए इसे हिंदी में तकनीकी संवाद को समृद्ध बनाने का प्रभावी माध्यम बताया।

संगोष्ठी अध्यक्ष, निदेशक भा.प्रौ.सं. जोधपुर, मुख्य अतिथि एवं संगोष्ठी सह-अध्यक्ष द्वारा आलोख संग्रह का विमोचन

कार्यक्रम में स्कूली छात्रों के लिए विज्ञान किरण नामक एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें जोधपुर के विभिन्न विद्यालयों से 700 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं अन्य ने भाग लिया। इस सत्र में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए। उन्होंने विभिन्न प्रयोगों और परियोजनाओं के माध्यम से छात्रों को विज्ञान की जटिलताओं को सरल और रोचक तरीके से समझाया। इस सत्र में विद्यार्थियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और विशेषज्ञों से अपने प्रश्न पूछे। इसके अलावा इस सत्र में विद्यार्थियों को विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों और तकनीकों का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि और जिज्ञासा को बढ़ावा देना था। विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई संभावनाओं के बारे में जानकारी मिली। कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर का भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें संस्थान में चल रही नई परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। यह सत्र हिंदी भाषा और विज्ञान के बीच आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में एक उत्कृष्ट पहल है।

विज्ञान किरण सत्र के दौरान विशेषज्ञ का भाषण और उपस्थित छात्रों की तस्वीर

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत काव्य संध्या का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में प्रमुख कवि श्री आकाश नौरंगी, डॉ. विवेक विजय, डॉ. राजेश कुमार, और श्री शुभम पांडे 'मुक्त' ने अपनी कविताओं के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित किया। हिंदी संगोष्ठी में संस्थान द्वारा प्रकाशित एक बहुभाषी कविता पुस्तिका का भी विमोचन निदेशक महोदय प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल तथा उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया। भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिवार के सदस्यों के रचनात्मक सहयोग से निर्मित कविता की पुस्तिका में भारतवर्ष की 'अनेकता में एकता' की पुरातन और महान परंपरा को आत्मसात करते हुए ११ भारतीय भाषाओं/बोलियों में लिखी गयी १९ कविताएँ सम्मिलित की गयी। ग़ैर-हिन्दी कविताओं को अपने मूल स्वरूप के साथ-साथ अनुवाद के द्वारा राजभाषा हिन्दी में भी प्रस्तुत किया गया। राजभाषा कार्यालय तथा तकनीकी हिंदी संगोष्ठी २०२४ के तत्वाधान में प्रकाशित इस पुस्तिका के मुख्य सम्पादक डॉ. जय नारायण त्रिपाठी थे तथा संपादक मंड़ल में विभिन्न भाषाओं के विशेषज्ञ: डॉ. षेरिन साबु, डॉ. बी. रवींद्र, डॉ. पराग देशपांड़े एवं डॉ. भास्वती सर्मा सम्मिलित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान काव्य भारती संग्रह का विमोचन किया गया

संगोष्ठी के दूसरे दिन राजभाषा हिंदी के तकनीकी प्रचार पर पैनल चर्चा का आयोजन हुआ। इसमें संगोष्ठी आयोजनकर्ताओं और विशेषज्ञों, जैसे डॉ. राकेश कुमार मिश्र (आईआईटी बीएचयू. वाराणसी) और प्रोफेसर (डॉ.) जनक सिंह मीना (गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर) ने भविष्य में इस संगोष्ठी के विस्तार और प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की।

पैनल चर्चा के मुख्य छायाचित्र

इसके साथ ही 03 दिसम्बर को एक राजभाषा कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. शैलेश त्रिपाठी, राजभाषा प्रबंधक, ऑयल इंडिया लिमिटेड, ने सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रभावी उपयोग पर जानकारी दी।

डॉ. शैलेश त्रिपाठी जी को स्मृति चिह्न भेंट एवं कार्यशाला के अन्य चित्र

02 दिसंबर को ही आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. सौमित्र कुमार सनाढ्य द्वारा प्रत्येक सत्र के उत्कृष्ट लेखों के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

सर्वश्रेष्ठ लेखों के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित करने के बाद समूह चित्र

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी के पुरस्कार विजेताओं की सूची निम्नानुसार है।

क्रम संख्या	नाम (डॉ./श्री/श्रीमती/सुश्री)	स्थान	आलेख शीर्षक	सत्र
1	विवेक त्रिपाठी	प्रथम	हिन्दी के संगणकीय विश्लेषण के लिए औपचारिक व्याकरण का एनएलपी में प्रयोग	
2	विशाल नावानी	द्वितीय	अधिसंकुचित प्रकाश के माध्यम से क्वांटम प्रकाशन	तकनीकी
3	नेहा गौर	तृतीय	नगरपालिका जैविक अपशिष्ट का उपयोग करके जैव-एथेनॉल का उत्पादन	
4	शुभम पांडे	प्रोत्साहन I	बहुकार्यात्मक स्नेहक योजकों के लिए कुकुर्बिट[6]यूरिल और 4-टर्ट-ब्यूटाइलकैलिक्स[6]एरीन का अध्ययन	
5	लव बंशल	प्रोत्साहन II	कोबाल्ट सल्फाइड की ऊर्जा भंडारण क्षमता को बढ़ाने की ओर एक कदम	
6	सुधांशु शर्मा	प्रथम	स्कूल इज़ ए मिनिएचर ऑफ़ सोसाइटी: छात्रों के भविष्य की आकांक्षाओं के निर्माण में एक बालक आवासीय विद्यालय का सांस्कृतिक अध्ययन	
7	किरण अय्यर वी	द्वितीय	तकनीकी प्रगति से राजभाषा हिंदी की उन्नति	राजभाषा
8	नरेश जोशी	तृतीय	राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए भारतीय भाषाओं में शिक्षण संबंधित चुनौतियां एवं समाधान	
9	बबली चतुर्वेदी	प्रोत्साहन I	राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए भारतीय भाषाओं में शिक्षण सम्बंधित चुनौतियां और समाधान	
10	जनक सिंह मीना	प्रोत्साहन II	सतत विकास लक्ष्य और समाज: भविष्यगत मुद्दे एवं संभावनाएं	
11	गरिमा अरोड़ा	प्रथम	क्षुद्रग्रह के प्रभाव के समय को समझने के लिए रासायनिक तिथि निर्धारण: भविष्य का ग्रह अन्वेषण उपकरण	
12	फूलचंद कुमावत	द्वितीय	पीआईडी तापमान नियंत्रक के साथ कम लागत वाली स्वदेशी अग्निकर्म चिकित्सा डिवाइस	प्रचलित विज्ञान
13	प्रवीण सुथार	तृतीय	मिलिंग संचालन में कर्तन बल मापन और संख्यात्मक आंकड़ों का अधिग्रहण	
14	विशाल श्रीवास्तव	प्रोत्साहन I	इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सुरक्षा: एक व्यापक तकनीकी विश्लेषण	
15	सुनिल कुमार लौहार	प्रोत्साहन II	पारंपरिक कलाकार समुदाय का मीडिया सशक्तिकरण: रघुराजपुर गांव प्रयोग	
16	राजूलाल भारद्वाज	प्रथम	बेहतर मानव पोषण के लिए विभिन्न सब्जी समूहों की पोषण गुणवत्ता और स्वाद मानक की श्रेष्ठता को स्थायी रूप से पुनः स्थापित करना	
17	नेहा जैन	द्वितीय	एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (ए.एम.आर): समाधान की ओर एक पहल	
18	द्वियांशी धवन	तृतीय	गणितीय अधिगम में अभिवृद्धि के लिए इंटरएक्टिव व्हाइटबोर्ड की भूमिका का मूल्यांकन	शैक्षणिक
19	ज्योति शर्मा	प्रोत्साहन I	विकसित भारत की दिशा में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान : प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में संस्कृत का अभूतपूर्व महत्त्व	
20	अनुज श्रीवास्तव	प्रोत्साहन II	पूर्वी भारत के अंतर्देशीय स्टेशन में वर्षा के प्रकार और उनका रडार परावर्तन – वर्षा दर संबंध	

कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव डॉ. नितिन भाटिया, राजभाषा अधिकारी, के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 2024 ने न केवल तकनीकी और वैज्ञानिक संवाद में हिंदी की भूमिका को रेखांकित किया, बल्कि भारत की प्रगति में भाषा के योगदान को भी मजबूती प्रदान की।

हिंदी माह 2024 का सफल आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 14 सितंबर से 15 अक्टूबर 2024 तक हिंदी माह 2024 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। जिसका उद्घाटन केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के द्वारा हिन्दी माह एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हुआ था। राजभाषा विभाग हिन्दी के राजभाषा बनने के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 14-15 सितंबर 2024 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में चौथा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया था। हिंदी माह हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित है। इस अवसर पर संस्थान के सदस्यों को हिंदी भाषा में तकनीकी लेखन और संवाद कौशल के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। हिंदी माह का उद्देश्य न केवल भाषा को सशक्त बनाना था, बल्कि तकनीकी शिक्षा में हिंदी के महत्व को भी उजागर करना था। साथ ही संस्थान में 14 सितंबर से 15 अक्टूबर 2024 के दौरान आयोजित हिंदी माह-2024 के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन पुरस्कार से पुरस्कृत भी किया गया। हिंदी माह के दौरान कई प्रतियोगिताओं जैसे आशुभाषण, निबंध लेखन, हिंदी टंकण, चित्र देखो कहानी लिखो, प्रशासनिक एवं तकनीकी शब्दावली अनुवाद इत्यादि का आयोजन किया गया। जिसका उध्दाटन श्री रविन्द्र कुमार, निदेशक, डीआरडीओ द्वारा किया गया। सभी प्रतियोगितॉओं में संस्थान से सभी कार्मिकों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।

श्री रविन्द्र कुमार जी द्वारा हिंदी माह 2024 का उद्घाटन एवं आयोजित प्रतियोगिताओं के छायाचित्र

हिन्दी माह के दौरान अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इन कार्यक्रमों का विवरण और विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं।

प्रतियोगिता का नाम	**प्रथम**	**द्वितीय**	**तृतीय**	**प्रोत्साहन – 1**	**प्रोत्साहन – 2**
	डॉ. / श्री / श्रीमती / सुश्री				
आशुभाषण प्रतियोगिता	राकेश कुमार	गणेश कुमावत	साईम खान	मालती टी.	बलदेव चौधरी
टंकण प्रतियोगिता	पंकज बाजपेयी	हिमांशु सिंधी	स्तुति खांडल	योगेश भाटी	अजय गर्ग
शब्द ज्ञान प्रतियोगिता 'क क्षेत्र'	दीपिका शर्मा	नारायण दाधीच	सुनिल कुमार	जय प्रकाश मीणा	अमित कुमार सोनी
शब्द ज्ञान प्रतियोगिता 'ख और ग क्षेत्र'	प्रीतिंदर कौर	कमलेशकुमार जे. पटेल	देबोश्री गांगुली	आई. वैशाली	अनुप वी ताटेवार
चित्र देखो कहानी लिखो एवं निबंध लेखन	शिल्पा डांडवानी	हेमन्त वरजानी	तरुण भाटी	प्रवीण सुथार	अमित कुमार सोनी
प्रशासनिक शब्दावली अनुवाद	हिमांशु सिंधी	मालती टी.	धीरज सिंह खंगारोत	सुनिल कुमार	अर्जुन सिंह
तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुवाद	रवि जांगिड़	बलदेव चौधरी	श्री राम	शिल्पा डांडवानी	तरुण भाटी
हिंदी माह अधिकतम कार्य (1-30 सितंबर 2024)	प्रियाँशु कुमार पाण्डेय	हिमांशु कच्छवाह	धीरज सिंह खंगारोत	सुनील टांक	अब्दुल खान

समापन समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि "हमारे भारतवर्ष के संविधान निर्माताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया है। यह हमारे देश की अखंडता एवं एकता का प्रतीक है । वर्तमान में यह विश्व की प्रमुख लोकप्रियभाषाओं में से एक है । राजभाषाहिंदी को बढ़ावा देना, उसकी विकास यात्रा को गति प्रदान करना, हम सभी की जिम्मेदारी है । संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुसार हिंदी भाषा का प्रसार-प्रचार करने हमारा परम कर्तव्य है । जहां तक संभव हो हिंदी का प्रयोग करें और अपने सहकर्मियों को भी इस हेतु प्रेरित करें।"

संस्थान के कुलसचिव डॉ. हरि ओम यादव जी ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि "राजभाषा नीति का अनुपालन प्रशिक्षण, प्रेरणा और प्रोत्साहन द्वारा किया जाता है। हिंदी माह के पुरस्कार, राजभाषा वार्षिक प्रोत्साहन योजना इत्यादि से कर्मचारिगण भी प्रेरित होगें । मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की यात्रा में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।"

हिंदी माह 2024 के दौरान निदेशक महोदय एवं कुलसचिव द्वारा संबोधन एवं प्रमाण पत्र वितरण के बाद समूह चित्र

हिंदी माह 2024 के समापन पर निदेशक महोदय द्वारा विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरण

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी का पोस्टर विमोचन

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 2024 के पोस्टर का विमोचन संस्थान के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. हरि ओम यादव और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हिन्दी माह के समापन पर किया गया था।

गांधी जयन्ती कार्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 02 अक्टूबर 2024 को सार्थक कार्यक्रमों की श्रृंखला में गांधी जयंती मनाई गयी। यह उत्सव एक अद्भुत अनुस्मारक था जिसमें मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में राजदूत डॉ. दीपक वोहरा जी को आमंत्रित किया गया। एक प्रतिष्ठित राजनयिक और कई अफ्रीकी देशों के विशेष सलाहकार, राजदूत श्री वोहरा ने "परिवर्तन: कैसे भारत, भारत बन गया है" शीर्षक से एक प्रेरक मुख्य भाषण दिया। श्री वोहरा ने भारत की विदेश नीति पर प्रकाश डालते हुए दुनिया में भारत के बढ़ते हुए वचेस्व के बारे में चर्चा की। उन्होने यह भी बताया कि किस प्रकार भारत के युवा देश की प्रगति में अपना योगदान दे रहे है भविष्य में भारत के युवाओं से क्या अपेक्षित है।

कार्यक्रम में गांधीजी के स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और स्थिरता के दर्शन की कालातीत प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया, जो भा.प्रौ.सं. जोधपुर में अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में प्रतिध्वनित होता है। निदेशक महोदय और मुख्य अतिथि द्वारा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी गई, जो एक दूरदर्शी नेता थे, जिनके सादगी और राष्ट्र की सेवा के आदर्श आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

गांधी जयंती को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में 'विश्व अहिंसा दिवस' के रूप में घोषित किया था, जिससे यह दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मनाया जाता है।

निदेशक महोदय द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. दीपक वोहरा को स्मृति चिह्न का अर्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं अन्य छायाचित्र

एक भारत श्रेष्ठ भारत - युवा संगम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 16 दिसम्बर 2024 को एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत पश्चिम बंगाल से आए जीवंत प्रतिनिधियों के लिए युवा संगम चरण V (पांच) के उद्घाटन और स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। युवा संगम के चरण V के लिए भारत में बीस प्रतिष्ठित संस्थानों की पहचान की गई है, जिसके दौरान इन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागी, क्रमशः राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के नोडल उच्च शिक्षा संस्थान के नेतृत्व में, अपने युग्मित राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा कर रहे है। इसके द्वारा राजस्थान और पश्चिम बंगाल को चुना गया है। भारत संस्कृतियों, परंपराओं और भाषाओं का एक जीवंत संगम है, जो विविधता में एकता का प्रतीक है। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवा संगम पहल अंतर-राज्यीय सांस्कृतिक संबंधों और राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूत करने के भारत सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाती है। यह पहल युवा दिमागों को भारत की विविध विरासत को तलाशने और उसकी सराहना करने का एक अमूल्य अवसर प्रदान करती है। पर्यटन, परम्परा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और परस्पर संपर्क को शामिल करते हुए इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम ने छात्रों और समुदायों के बीच सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा दिया है। पश्चिम बंगाल राज्य सरकार और पश्चिम बंगाल के पर्यटन विभाग के अटूट समर्थन के बिना इस पहल की सफलता संभव नहीं होती। हमारे प्रतिनिधिमंडल के लिए यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने में उनके अपार सहयोग और मेहनती प्रयासों ने सभी प्रतिभागियों के लिए एक सहज और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित किया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को राजस्थान की विरासत, तकनीकी उन्नति और विकासात्मक प्रगति का एक व्यापक अनुभव प्रदान किया, जो पाँच प्रमुख विषयों के आसपास संरचित था: पर्यटन (पर्यटन), परम्परा (परंपराएँ), प्रगति (विकास), परस्पर संपर्क (लोगों से लोगों का जुड़ाव), और प्रौद्योगिकी (प्रौद्योगिकी)। पाँच दिनों में, प्रतिनिधियों ने राजस्थान के शाही इतिहास, पारंपरिक शिल्प और रेगिस्तानी परिदृश्यों का पता लगाया, स्थानीय समुदायों के साथ निकटता से जुड़े। पहले दिन से ही, उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों, छात्रों और प्रबंधन सहित विविध पेशेवर पृष्ठभूमि के लोगों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। इस बातचीत के दौरान, प्रतिनिधियों को इस बात की जानकारी मिली कि कैसे शाही परिवार जमीनी स्तर के समुदायों से गहराई से जुड़ा हुआ है और स्थानीय पहलों का सक्रिय रूप से समर्थन करता है।

निदेशक महोदय द्वारा अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं समूह चित्र

कार्यक्रम में मेहरानगढ़ किला, दरी बुनाई के लिए सालावास गांव और थार रेगिस्तान की समृद्ध यात्राएं भी शामिल थीं, जिसके पूरक के रूप में राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत और स्थिरता प्रयासों पर व्यावहारिक व्याख्यान दिए गए। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में प्रतिभागियों ने अत्याधुनिक शोध और नवाचारों की खोज की, जिससे उनके शैक्षणिक और तकनीकी दृष्टिकोण का और विस्तार हुआ। यात्रा के दौरान, प्रतिभागियों का उत्साह सोशल मीडिया पर स्पष्ट था, इंस्टाग्राम और एक्स पर बड़ी संख्या में पोस्ट किए गए। उल्लेखनीय रूप से, इंस्टाग्राम रील्स और सहयोग ने 80k व्यू को पार कर लिया, जो कार्यक्रम के आसपास व्यापक जुड़ाव और उत्साह को दर्शाता है। यात्रा का समापन सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सार्थक संबंधों पर चिंतन के साथ हुआ, जिसने विविधता में एकता के सार को रेखांकित किया। पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधिमंडल स्थायी यादों, मजबूत क्षेत्रीय संबंधों और भारत की साझा विरासत और सामूहिक प्रगति की गहरी सराहना के साथ लौटा। इस कार्यक्रम की सफलता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में एक भारत श्रेष्ठ भारत समुह के निरंतर और अथक प्रयासों से संभव हुई, जिसमें शिक्षा मंत्रालय और एआईसीटीई का समर्थन भी शामिल है। एक बार फिर, युवा संगम चरण V ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के मूल मूल्यों की पुष्टि की है, जो एकीकृत और प्रगतिशील भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

कार्यक्रम के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का भ्रमण करते छात्रों के छायाचित्र

छात्रों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य एवं समूह चित्र

विश्व एड्स दिवस 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 2 दिसंबर 2024 को “विश्व एड्स दिवस” मनाया, जिसमें एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई। इस कार्यक्रम में हुई चर्चा में बताया गया कि एड्स HIV (ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस) के कारण होने वाली एक बीमारी है। यह वायरस शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली, विशेष रूप से सीडी4 कोशिकाओं (जिसे टी-हेल्पर कोशिकाएं भी कहते हैं) को कमजोर करता है। अगर एचआईवी का इलाज न किया जाए, तो यह एड्स में परिवर्तित हो सकता है, जो शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में असमर्थ बना देता है। विश्व एड्स दिवस का मुख्य उद्देश्य एड्स और एचआईवी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी फैलाना तथा लोगों को एचआईवी के उपचार और प्रबंधन के तरीकों के बारे में बताना तथा संक्रमण से बचने के उपायों के बारे में जागरूक करना है। हर साल “विश्व एड्स दिवस” का एक विशिष्ट थीम होता है, जो एड्स और एचआईवी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष की थीम है "सही रास्ता चुनें: मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार" इस थीम का उद्देश्य एड्स को समाप्त करने की दिशा में प्रगति में बाधा डालने वाली असमानताओं को दूर करके स्वास्थ्य के अधिकार की रक्षा करना है।

कार्यक्रम में डॉ. महेंद्र कुमार असेरी, आर्थोपेडिक सर्जन ने विचारोत्तेजक व्याख्यान में "जोखिम से बचे रहना: वैश्विक समाज में बीमारी और सामाजिक कलंक से निपटना" विषय पर अपने विचार साझा किए। छात्रों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

डॉ. महेंद्र कुमार असेरी जी द्वारा व्याख्यान एवं विश्व एड्स दिवस 2024 के अन्य छायाचित्र

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 28 अक्टूबर 2024 को जोधपुर क्लब ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। यह दिन हमारे राष्ट्र को परिभाषित करने वाले एकता एवं अखंडता के मूल्यों को प्रतिबिंबित करने और इन आदर्शों के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का अवसर है। इस दिवस को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस दिवस का उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए हमारे राष्ट्र की अंतर्निहित शक्ति और सहिष्णुता की पुष्टि करना है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्रता के बाद 562 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में विलय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके कारण उन्हें "लौह पुरुष" कहा जाता है। एक प्रेरक कार्यक्रम के साथ इस वर्ष स्वतंत्रता सेनानी वल्लभभाई पटेल की 144 वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में मनाया गया, जिसमें ज्ञानवर्धक भाषण, एकता की शपथ और भारत की विविधता को प्रदर्शित करने वाला एक जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल था।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डॉ. जी. सतीश रेड्डी, एयरोस्पेस वैज्ञानिक ने नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से एकता को बढ़ावा देने पर अपने बहुमूल्य दृष्टिकोण साझा किए। इस कार्यक्रम में एकता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय एकीकरण की भावना पर प्रकाश डाला। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक ने हिंदी में शपथ का नेतृत्व किया तथा कुलसचिव, भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने अंग्रेजी में शपथ का नेतृत्व करते हुए सभी प्रतिभागियों को शपथ ग्रहण करवाई।

निदेशक महोदय द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेट एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अन्य छायाचित्र

सुरक्षा: सीखने का एक सफल दिन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 16 नवंबर 2024 को आयोजित "सुरक्षा: सीखने का एक सफल दिन" वार्ता और व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों और हाउसकीपिंग कर्मचारियों को सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जैसे कि आपातकालीन स्थितियों में कैसे प्रतिक्रिया दें, आग से बचाव के उपाय, और साइबर सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया गया।

इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं और व्यावहारिक प्रदर्शन किए गए, जिससे प्रतिभागियों को सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को समझने और उन्हें अपने दैनिक जीवन में लागू करने में मदद मिली। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किए गए, जहां प्रतिभागियों ने अपने सवाल पूछे और विशेषज्ञों से उत्तर प्राप्त किए। इसके अलावा, विद्युत और सुरक्षा प्रबंधन में 33 वर्षों के अनुभव वाले श्री शंकर एम. माने ने एक आकर्षक व्याख्यान दिया। श्री माने ने अमूल्य अंतर्दृष्टि और जीवन रक्षक रणनीतियों को साझा किया। उन्होने वास्तविक जीवन के उदाहरणों से सुरक्षा में सक्रिय होने के महत्व को रेखांकित किया। श्री मनीष शर्मा द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रतिभागियों को संभावित खतरों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और कम करने के तरीके पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

इस तरह के कार्यक्रम न केवल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षा के महत्व को समझने और उसे अपने दैनिक जीवन में लागू करने के लिए प्रेरित करते हैं।

निदेशक महोदय द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेट एवं प्रशिक्षण के अन्य छायाचित्र

संविधान और जनजातीय गौरव दिवस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 26 नवंबर 2024 को चौथे जनजातीय गौरव दिवस के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय संविधान दिवस और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई। इस कार्यक्रम में भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर और जनजातीय गौरव और सशक्तिकरण के प्रतीक बिरसा मुंडा की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय संविधान दिवस और जनजातीय गौरव दिवस दोनों ही महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व हैं। इस दिन 1949 में भारतीय संविधान को अपनाया गया था। यह दिन हमें हमारे संविधान के महत्व और उसके द्वारा प्रदान किए गए अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है। बिस्सा मुंडा एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे। इस दिन का उद्देश्य आदिवासी समुदायों के योगदान और उनकी संस्कृति को सम्मानित करना है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. बी.आर. अंबेडकर और बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की गई। मुख्य भाषण माननीय न्यायमूर्ति श्री एन.एन. माथुर, राजस्थान और गुजरात के उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश एवं एनएलयू जोधपुर के पूर्व कुलपति ने दिया। इसके बाद एक भारत श्रेष्ठ भारत समूह द्वारा एक आकर्षक नाटक और भारत की आदिवासी संस्कृति का जश्न मनाते हुए एक आकर्षक कालबेलिया नृत्य प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय संविधान के महत्व और संविधान निर्माताओं के योगदान पर गहन चर्चा भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एन. एन. माथुर को प्रो. संपत राज वडेरा द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट

एवं अन्य छायाचित्र

मानद उपाधि पुरस्कार समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 25 नवंबर 2024 को शाम 5.30 बजे लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स में प्रतिष्ठित मानद उपाधि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। यह एक महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित कार्यक्रम है, जिसमें संस्थान से जुड़ी विभिन्न विशिष्टताओं और योगदानों के लिए कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों को मानद उपाधि प्रदान की जाती है। मानद उपाधि एक सम्मान है जो किसी ऐसे व्यक्ति को दिया जाता है, जिसने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, समाजसेवा या अन्य किसी भी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। यह पुरस्कार समारोह संस्थान के शैक्षिक और अनुसंधान उद्देश्यों को प्रेरित करने का कार्य करता है मानद उपाधि पुरस्कार एक प्रमाण पत्र, प्रतीक चिन्ह (ट्रॉफी) और अन्य सम्मानजनक उपहार के रूप में प्रदान किया जाता है। इस कार्यक्रम में श्री विनोद गुप्ता को विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए मानद उपाधि प्रदान की गई। श्री विनोद गुप्ता, एक भारतीय अमेरिकी उद्यमी है एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के पूर्व छात्र हैं।

मुख्य अतिथि, पूर्व सांसद श्री गज सिंह जी द्वारा भाषण

इस समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद श्री गज सिंह, विशिष्ट अतिथि एम्स जोधपुर के कार्यकारी निदेशक डॉ.गोवर्धन दत्त पुरी और भारतीय अमेरिकी उद्यमी श्री विनोद गुप्ता थे। समारोह की शुरुआत संस्थान के निदेशक प्रो. अविनाश के. अग्रवाल के स्वागत भाषण से हुई। जिसमें संस्थान की विशिष्ट उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया गया एवं श्री विनोद गुप्ता के प्रभावशाली योगदान की सराहना की गई। उन्होंने कहा "हम श्री विनोद गुप्ता की असाधारण यात्रा, शिक्षा और नवाचार के माध्यम से जीवन को बदलने के उनके समर्पण से प्रेरित हैं। श्री गुप्ता की कहानी हमें ज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति और समाज को वापस देने के महत्व की याद दिलाती है।" उन्होंने सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने वाले नवाचार और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया।

निदेशक महोदय द्वारा श्री विनोद गुप्ता को प्रमाण पत्र देकर सम्मान

उल्लेखनीय है कि श्री विनोद गुप्ता एक प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और समाजसेवी हैं। जिनके काम ने समाज को गहराई से प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश के रामपुर मनिहारन में जन्मे श्री गुप्ता ने केवल 100 डॉलर से **infoGROUP** (पूर्व में infoUSA) की स्थापना की और इसे एक बिलियन डॉलर के उद्यम में बदल दिया, जिसमें 8,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं। उनके कार्यकाल के दौरान, infoGROUP ने 45 कंपनियों का अधिग्रहण किया, जो डेटाबेस मार्केटिंग में मार्केट लीडर बन गया। सम्मान स्वीकार करते हुए श्री गुप्ता ने आभार व्यक्त किया और शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा "यह मान्यता शिक्षा और प्रौद्योगिकी के माध्यम से समुदायों के सशक्तिकरण में योगदान जारी रखने के मेरे संकल्प को मजबूत करती है। मैं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के विजन से बहुत प्रभावित हूं और इस यात्रा का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।" श्री गुप्ता ने अपनी सफलता का श्रेय भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में प्राप्त शिक्षा को देते हैं। उन्होंने अपने परोपकारी प्रयासों के माध्यम से शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में विनोद गुप्ता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट और राजीव गांधी स्कूल ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी लॉ की स्थापना और अपने गृहनगर में महिला शिक्षा के लिए समर्पित राम रति गुप्ता पॉलिटेक्निक जैसी संस्थाएँ शामिल हैं। उनकी धर्मार्थ संस्था सभी विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को आम जन तक पहुँचाने पर ध्यान केंद्रित करती है। कार्यक्रम में छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने अपनी उल्लेखनीय यात्रा के बारे में बात की, जो कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का माध्यम बन सकती है।

इस कार्यक्रम ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर और एम्स जोधपुर के बीच सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर भी चिह्नित किया। डॉ.गोवर्धन दत्त पुरी ने अंतःविषय नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा "मेडटेक कार्यक्रम पर भाप्रौसं. जोधपुर और एम्स जोधपुर का सहयोग अद्वितीय है,जो देश में एक अनूठा पाठ्यक्रम पेश करता है। साथ मिलकर हम मजबूत टीमों का निर्माण कर रहे हैं,नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं और किफायती चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के माध्यम से मेक इन इंडिया के सपने को साकार करने के अवसर पैदा कर रहे हैं।"

जेनपैक्ट के श्री दिवाकर सिंघल (एसवीपी) ने कहा कि "हम अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के हिस्से के रूप में एआई, कंप्यूटर विज्ञान और डिजिटल विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डिजिटल भारत समाधान के साथ जुड़कर और महिला सशक्तिकरण पर जोर देकर हम सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं और अपने देश के लिए समाधान के नए क्षेत्र खोलते हैं। यह पहल एक अधिक समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत समाज बनाने में मदद करती है जो सभी के लिए बेहतर काम करती है"।

निदेशक, भा.प्रौ. सं. जोधपुर एवं निदेशक, एम्स जोधपुर द्वारा भाषण

प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल ने कहा इस साझेदारी का उद्देश्य अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भविष्य के प्रतिभागियों को सशक्त बनाना है। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद श्री गज सिंह ने शिक्षा और सामाजिक प्रगति में संस्थान के योगदान की सराहना करते हुए एक प्रेरक भाषण दिया। उन्होंने कहा कि "भा.प्रौ.सं. जोधपुर दिन-प्रतिदिन असाधारण प्रगति कर रहा है। श्री विनोद गुप्ता जैसे दूरदर्शी लोग इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे कोई व्यक्ति कार्यों को अंजाम दे सकता है और राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान दे सकता है"। कार्यक्रम के दौरान जेनपैक्ट के साथ समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान ने संस्थान में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। यह साझेदारी एक चेयर प्रोफेसर पद और उद्योग-वित्तपोषित पीएचडी फेलोशिप स्थापित करती है। साथ ही यह अत्याधुनिक शोध को बढ़ावा देने और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

इस कार्यक्रम के दौरान जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (JCKIF) के तहत कारीगरों को पेटेंट-डिज़ाइन प्रमाणपत्रों का वितरण भी किया गया। यह पहल पारंपरिक शिल्प कला का जश्न मनाती है और उनकी व्यावसायिक व्यवहार्यता और सांस्कृतिक संरक्षण सुनिश्चित करती है। समारोह का समापन राष्ट्रगान और अकादमिक जुलूस के साथ हुआ। भा.प्रौ.सं. जोधपुर नवाचार के केंद्र के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करने,साझेदारी को बढ़ावा देने और भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने के अवसर पैदा करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

STEM शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

"शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर" ने 04 से 08 दिसंबर तक निर्धारित नवोदय शिक्षकों के लिए STEM शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया । इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों में STEM शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों और उन्नत उपकरणों से लैस करना था। इंटरैक्टिव सत्रों, व्यावहारिक प्रदर्शनों और सहयोगी कार्यशालाओं के माध्यम से, शिक्षकों ने अगली पीढ़ी के नवप्रवर्तकों और समस्या-समाधानकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का कार्य पूरा किया। एसटीईएम (STEM) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों में शिक्षकों को विद्यार्थियों में गणित और विज्ञान की रुचि विकसित करने के लिए विभिन्न तकनीकों और उपकरणों का उपयोग सिखाया जाता है।

उदाहरण के लिए, बिहार के कटिहार जिले में 60 शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी, जिसमें शिक्षकों को एसटीईएम के तकनीकों और नवीनतम शैक्षणिक उपकरणों का उपयोग सिखाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवाचार में बढ़ावा देना और उन्हें राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय विज्ञान एवं गणितीय गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना था।

एसटीईएम में भविष्य की महिलाएं

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 8 अक्टूबर को डीएसटी विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 10वीं और 12वीं की 130 से अधिक प्रतिभाशाली छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। "एसटीईएम में भविष्य की महिलाएं" एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत, विभिन्न कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं, जिनमें महिलाओं को एसटीईएम के क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। युवा विद्वानों ने प्रयोगशाला सत्रों और इंटरैक्टिव अनुभवों और कार्यशालाओं में भाग लिया, जिससे उन्हें STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) की आकर्षक दुनिया के बारे में गहन जानकारी मिली। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिज्ञासा जगाना तथा अगली पीढ़ी की महिला वैज्ञानिकों और अभियंताओं को सशक्त बनाना है। महिलाओं को उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन और सलाह भी मिलती है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसके अलावा, शिक्षकों को प्रौद्योगिकी एकीकरण और शिक्षा 4.0 कौशल पर केंद्रित शिक्षण रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

अंतराष्ट्रीय कार्यशाला - कोफ्हा 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा पावर बीम सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से 21-22 दिसंबर, 2024 को खाद्य, स्वास्थ्य और कृषि के लिए कोल्ड-प्लाज्मा और पल्स पावर प्रौद्योगिकियों पर पहली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (COFHA-2024) का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता: प्रो. कोइची ताकाकी, इवाते विश्वविद्यालय, जापान और मुख्य अतिथि: प्रो. अशोक कुमार दास, पूर्व कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, बीएआरसी, भारत उपस्थित साथ ही मुख्य अतिथि: डॉ. ललित कुमार, पूर्व निदेशक, डीआरडीओ और डॉ. अर्चना शर्मा, अध्यक्ष, पावर बीम सोसाइटी ऑफ इंडिया भी उपस्थित थे। सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार में 8 पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें से 3 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधार्थियों ने जीते। कार्यशाला में जापान, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और भारत के वक्ताओं को वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कोल्ड प्लाज़्मा अनुप्रयोगों पर अपने विचार साझा करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान खाद्य, स्वास्थ्य और कृषि में कोल्ड प्लाज़्मा प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप भी विकसित किया गया।

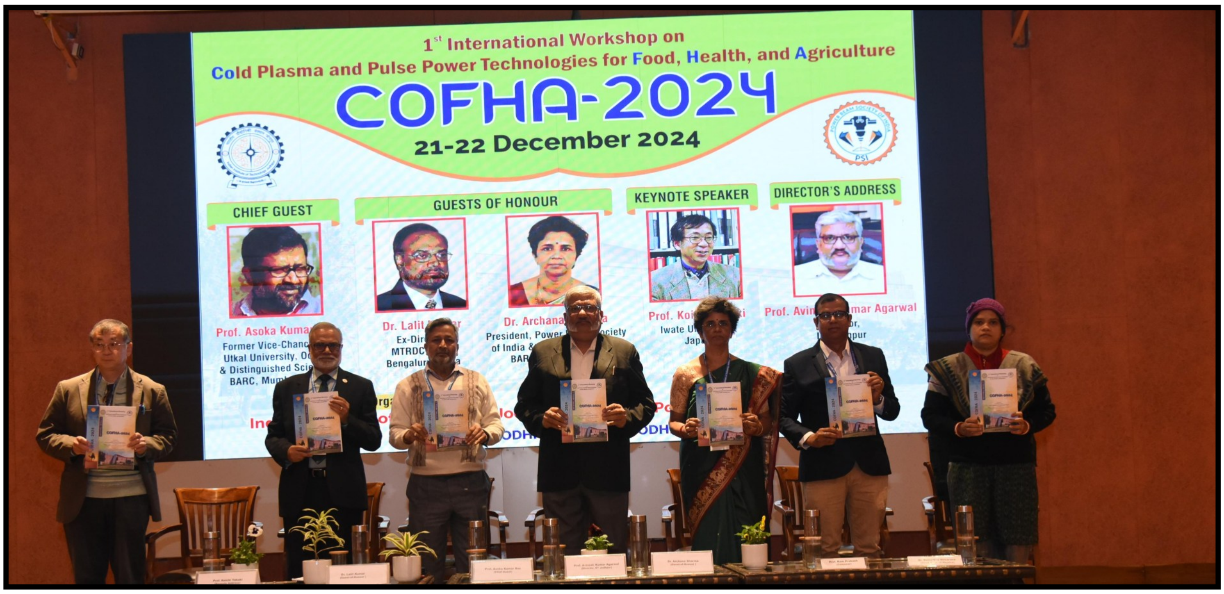

COFHA-2024 पुस्तक का विमोचन

कार्यशाला ने विशेष रूप से खाद्य, स्वास्थ्य और कृषि के लिए शीत प्लाज्मा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में काम कर रहे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और युवा शोधकर्ताओं के बीच बातचीत के लिए एक साझा मंच प्रदान किया। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा आमंत्रित वार्ता के साथ-साथ मौखिक और पोस्टर सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतियाँ भी शामिल थी। हाल के वर्षों में जीवविज्ञान, चिकित्सा, खाद्य, कृषि और पर्यावरण के क्षेत्रों में वायुमंडलीय दबाव गैर-संतुलन कोल्ड प्लाज्मा और संबंधित पल्स पावर प्रौद्योगिकियों के लिए अत्याधुनिक उपयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला देखी गई है। ऐसे प्लाज़्मा बीजाणुओं और बायोफिल्म्स (जिन्हें आमतौर पर निष्क्रिय करना बहुत मुश्किल होता है) के साथ-साथ बैक्टीरिया, यीस्ट, मोल्ड और अन्य खतरनाक रोगाणुओं को प्रभावी ढंग

से नष्ट करने में सक्षम हैं, जिनमें संभावित जैव आतंकवाद एजेंट भी शामिल हैं। उच्च गैस तापमान की आवश्यकता के बिना बेहतर गैस चरण रसायन विज्ञान प्राप्त करने की क्षमता इन प्लाज़्मा का सबसे आकर्षक पहलू है। ऐसे प्लाज़्मा आयनों और तटस्थ प्रजातियों की तुलना में बहुत अधिक इलेक्ट्रॉन ऊर्जा प्रदर्शित करते हैं जो कमरे के तापमान के पास रहते हैं और ऊर्जावान इलेक्ट्रॉन पृष्ठभूमि गैस के साथ टकराव में प्रवेश करते हैं, जिससे पृथक्करण, उत्तेजना, आयनीकरण आदि का बढ़ा हुआ स्तर होता है। इस तथ्य के कारण, प्लाज्मा उन वस्तुओं को कोई थर्मल क्षति नहीं पहुँचाता है जिनके संपर्क में वह आता है और इसलिए पौधों को उगाने, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्थिरता को संरक्षित करने के साथ-साथ सतहों, पानी, हवा, भोजन और यहाँ तक कि जीवित ऊतकों के जैव-संदूषण के लिए ऐसे प्लाज़्मा का उपयोग करना आसान है। नतीजतन, ऐसे ठंडे प्लाज़्मा में खाद्य, कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्रों के लिए अपार संभावनाएं हैं। यूवी विकिरण, विद्युत क्षेत्र, आवेशित कण, उत्पादित मूलक और प्रतिक्रियाशील प्रजातियों सहित कई सहक्रियात्मक तंत्रों को ऐसे प्लाज़्मा उपचारों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। कृषि, खाद्य और स्वास्थ्य में उपयोग के लिए कोल्ड प्लाज़्मा के भौतिक, रासायनिक और जैविक तत्वों को समझने और नई तकनीकें बनाने के लिए वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्य के विकास के लिए अधिक केंद्रित अनुसंधान और विकास की आवश्यकता है। यह अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला कोल्ड प्लाज़्मा तकनीकों में पर्याप्त प्रगति और मौलिक प्लाज़्मा भौतिकी में अत्याधुनिक अनुसंधान दोनों को साथ लाती है। कार्यशाला के समापन पर खाद्य, स्वास्थ्य और कृषि के लिए कोल्ड-प्लाज़्मा तकनीकों पर एक रणनीतिक योजना दस्तावेज़ के निर्माण पर सहमति हुई।

COFHA-2024 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और अन्य छायाचित्र

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा ग्रैंड जूरी पुरस्कार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को 12 दिसंबर 2024 को होटल ललित, दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिकी, बौद्धिक संपदा और उद्योग-अकादमिक भागीदारी पर वार्षिक शिखर सम्मेलन में सरकारी संस्थान श्रेणी में प्रतिष्ठित ग्रैंड जूरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह उद्घाटन पुरस्कार शिक्षा और उद्योग के बीच सार्थक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के अनुकरणीय प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता को मान्यता देता है। यह पहली बार है जब भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) उद्योग-अकादमिक भागीदारी पुरस्कार प्रदान कर रहा है, जिसका उद्देश्य उन संस्थानों को मान्यता देना है जो तकनीकी और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावशाली सहयोग करने में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। पुरस्कारों के इस पहले संस्करण में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को सरकारी संस्थान श्रेणी में प्रतिष्ठित ग्रैंड जूरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. आर. ए. माशेलकर और सीआईआई नेशनल मिशन ऑन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन एंड रिसर्च के अध्यक्ष श्री विपिन सोंधी की जूरी द्वारा देश भर से उद्योग जगत के दिग्गजों, अकादमिक दिग्गजों और नीति निर्माताओं की मौजूदगी में प्रदान किया गया। संस्थान की ओर से पुरस्कार स्वीकार करने वालों में भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल और निदेशक के सलाहकार प्रोफेसर संपत राज वडेरा शामिल थे। यह उपलब्धि नवाचार, अत्याधुनिक अनुसंधान और प्रभावशाली साझेदारियों के प्रति संस्थान की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटती है।

इस अवसर पर, पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने कहा, "यह पुरस्कार हमारे संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के सामूहिक प्रयास का उत्सव है, जिन्होंने शिक्षा और उद्योग के बीच पुल बनाने की दिशा में अथक काम किया है। हम अपने उत्कृष्टता के मिशन को जारी रखने के लिए विनम्र और प्रेरित हैं" भा.प्रौ.सं. जोधपुर की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इसके संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा प्रदर्शित सहयोगात्मक भावना और उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण हैं। अभूतपूर्व पहलों के माध्यम से, संस्थान ने अभिनव अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और कौशल निर्माण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है, जिसने खुद को भारत के शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र में प्रगति के एक प्रकाशस्तंभ के रूप में स्थापित किया है। बौद्धिक संपदा निर्माण को बढ़ावा देने और अनुसंधान को वास्तविक दुनिया के समाधानों में बदलने पर ध्यान केंद्रित करना दूसरों के लिए अनुसरण करने के लिए एक मील का पत्थर बना है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक के सलाहकार प्रोफेसर संपत राज वडेरा ने कहा, "हमारी सफलता सहयोग, नवाचार और सामाजिक प्रभाव के लिए एक साझा दृष्टिकोण में निहित है। यह मान्यता और भी अधिक ऊँचाइयों को प्राप्त करने के हमारे दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देती है।" प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल के दूरदर्शी नेतृत्व और प्रोफेसर संपत राज वडेरा के रणनीतिक मार्गदर्शन में भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने न केवल उद्योगों से संबंधों को मजबूत किया है, बल्कि राष्ट्रीय विकास में अग्रणी योगदान का मार्ग भी प्रशस्त किया है। शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर की भूमिका को रेखांकित किया, जो उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा उद्योग भागीदारों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के तरीके को फिर से परिभाषित करने में अग्रणी है।

यह मान्यता प्रौद्योगिकी और नवाचार में वैश्विक अग्रणी बनने की दिशा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका और एक स्थायी, ज्ञान-संचालित भविष्य बनाने की इसकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है। प्रौद्योगिकी, बौद्धिक संपदा और उद्योग-अकादमिक भागीदारी पर सीआईआई वार्षिक शिखर सम्मेलन एक प्रमुख कार्यक्रम है जो उद्योग और शिक्षा के बीच सहजीवी संबंधों पर चर्चा करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए विचारकों को एक साथ लाता है। नव स्थापित उद्योग-अकादमिक भागीदारी पुरस्कारों का उद्देश्य उन संस्थानों को मान्यता देना है जो तकनीकी और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावशाली सहयोग बनाने में उत्कृष्टता रखते हैं।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक ग्रैंड जूरी पुरस्कार प्राप्त करते हुए व कार्यक्रम की अन्य छायाचित्र

ई-सरल हिंदी वाक्य कोश

[Delegates] Large number of delegates were attended during the Conference.	[प्रतिनिधि] सम्मेलन में बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।
[Released] Booklets are released during the Conference.	[लोकार्पण] सम्मेलन के दौरान पुस्तिकाओं का लोकार्पण किया जाता है।
[Documentary film] A documentary film is prepared for the Conference.	[वृत्तचित्र] सम्मेलन के लिए वृत्तचित्र बनाया जाता है।

नवरात्रि उत्सव 2024

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 03 से 12 अक्टूबर तक भव्य नवरात्रि एवं विजयादशमी महोत्सव का आयोजन किया। यह महोत्सव भारतीय कैलेंडर के आश्विन माह में शरद ऋतु के सुंदर समय पर आयोजित किया जाता है। नवरात्रि का उत्सव एक प्रमुख हिंदू त्यौहार है, जो विशेष रूप से भारत के सभी राज्यों में मनाया जाता है। यह त्यौहार देवी दुर्गा की पूजा से संबंधित है। कार्यक्रम की घोषणा के बाद से भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिसर में खुशी का माहौल और जबरदस्त प्रतिक्रिया आयोजन समिति के लिए वास्तव में उत्साहजनक रही है। यह कार्यक्रम 03 अक्टूबर 2024 से शुरू किया गया। इन कार्यक्रमों के लिए चाणक्य कॉम्प्लेक्स के सामने वाले लॉन का चयन किया गया। दर्शकों, प्रतिभागियों और दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए विभिन्न खाद्य स्टालों की व्यवस्था की गई ताकि वे कार्यक्रम में सुचारू रूप से भाग ले सकें। सभी छात्रों और सदस्यों ने सभी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

नवरात्रि उत्सव 2024 के दौरान देवी दुर्गा की मूर्ति स्थापना के पश्चात के छायाचित्र

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की समावेशी भावना को ध्यान में रखते हुए, 10 दिवसीय उत्सव सत्र के दौरान निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

रामलीला :- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में रामलीला का आयोजन किया गया। रामलीला एक महत्वपूर्ण और प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक परंपरा है जो रामायण की घटनाओं को नाटकीय रूप में प्रस्तुत करती है। नवरात्रि से लेकर दशहरा (विजयादशमी) तक इसका आयोजन बहुत धूमधाम से किया जाता है। यह धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह एक नाटकीय रूप है जिसमें नवरात्रि के दौरान राम, सीता, रावण, हनुमान, लक्ष्मण और अन्य पात्रों के संवाद और घटनाओं को मंच पर प्रदर्शित किया गया। रामलीला श्री राम के जीवन में हुए संघर्षों, उनके संघर्षों की सीख, और उनके द्वारा बुराई पर अच्छाई की जीत को मनाने का पर्व है। यह आयोजन लोगों को **धार्मिक विश्वास, नैतिक शिक्षा और सामाजिक एकता** की ओर प्रेरित करता है।

रामलीला के मनमोहक दृश्यों के छायाचित्र

दुर्गा पूजा :- नवरात्रि पर्व के अवसर पर विशेष रूप से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाता है इस पर्व के दौरान श्रद्धालु देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं, जिनमें: शैलपुत्री, ब्राह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री। दुर्गा पूजा का समापन विजयादशमी (दशहरा) के दिन होता है।

आनंद मेला :- आनंद मेला भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में एक प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम है, जिसे आमतौर पर संस्थान के सांस्कृतिक उत्सवों और वार्षिक उत्सवों के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाता है। यह मेला आईआईटी के छात्रों द्वारा आयोजित किया जाता है और इसका उद्देश्य परिसर के छात्रों, फैकल्टी और उनके परिवारों के बीच एक मेलजोल और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना होता है। आनंद मेला एक ऐसा आयोजन है जो मनोरंजन, संस्कृति, कला, भोजन, और समाजिक जुड़ाव का मिश्रण होता है। इसमें विभिन्न प्रकार के खेल, मनोरंजन कार्यक्रम, संगीत प्रदर्शन और लोक कला के आयोजन होते हैं कई स्टॉल्स लगाए जाते हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के खाने और स्नैक्स के विकल्प होते हैं। इन स्टॉल्स पर भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यंजन उपलब्ध होते हैं। यह आयोजन छात्रों के भीतर एक साथ काम करने, सांस्कृतिक धरोहर को समझने और एक दूसरे से जुड़ने की भावना को प्रोत्साहित करता है।

जागरण :- नवरात्रि के दौरान विशेष रूप से जागरण का आयोजन बहुत धूमधाम से किया गया, यह एक धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें भक्तगण रातभर भजन, कीर्तन, और आरती गाते हैं और देवी दुर्गा या राम के पूजन में मग्न रहते हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को भी बढ़ावा देता है। जागरण का मुख्य उद्देश्य भक्तों को देवी की महिमा से अवगत कराना और उन्हें धार्मिक रूप से जागरूक करना है।

सुन्दर काण्ड का पाठ :- सुन्दर काण्ड रामायण के प्रमुख काण्डों में से एक है, जो वाल्मीकि रामायण के किष्किन्धा काण्ड और युद्ध काण्ड के बीच आता है। यह काण्ड भगवान राम के भक्त हनुमान जी द्वारा लंका (श्रीलंका) में सीता माता का पता लगाने और राम के संदेश को सीता तक पहुँचाने की कथा पर आधारित है। इसे हनुमान जी की शक्ति, भक्ति और विजय का प्रतीक माना जाता है। सुन्दर काण्ड का पाठ विशेष रूप से हनुमान जी की पूजा, भक्ति और संकट से मुक्ति के लिए किया जाता है। यह काण्ड एक भक्त के रूप में भगवान हनुमान के अडिग विश्वास और शक्ति को दर्शाता है, और इसे पाठ करने से भक्तों को मानसिक शांति, समस्याओं से मुक्ति और आंतरिक बल मिलता है।

सुन्दर काण्ड के पाठ एवं भगवान हनुमान की वेशभूषा में कलाकार का छायाचित्र

डांडिया :- डांडिया एक पारंपरिक गुजराती नृत्य है, जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर में नवरात्रि के अवसर पर विशेष रूप से धूमधाम से मनाया गया। यह नृत्य देवी दुर्गा और शक्ति की पूजा के रूप में किया जाता है और इसके साथ रास गरबा भी होता है। रंग-बिरंगे परिधानों से सजे संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने लकड़ी की छड़ियों के साथ डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया।

सांस्कृतिक संध्या :- नवरात्रि के अवसर पर आईआईटी जोधपुर में एक विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें संगीत, नृत्य, कविता पाठ और नाटक जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और कला से जोड़ना और नवरात्रि के धार्मिक माहौल को और भी अधिक उत्साहपूर्ण बनाना था।

सांस्कृतिक संध्या के दौरान उपस्थित छात्र एवं कर्मचारी

प्रतियोगिताएं :- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने नवरात्रि के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक, खेलकूद और तकनीकी प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि विद्यार्थियों में सामूहिकता, भाईचारे और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का एक शानदार अवसर भी प्रदान करता है। ये प्रतियोगिताएँ फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और अन्य खेलों में आयोजित की गईं।

प्रसादम :- नवरात्रि के पावन अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रतिदिन प्रसाद का वितरण का किया गया जिसमें सभी छात्रों एवं सदस्यों ने भाग लिया। यह शब्द संस्कृत के "प्रसाद" से आया है, जिसका अर्थ होता है "देवी या देवता का आशीर्वाद" या "ईश्वर का उपहार"।

विसर्जन :- नवरात्रि के नौ दिन पूरे होने पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में विसर्जन का आयोजन किया गया। इस पर्व के दौरान देवी दुर्गा की पूजा की जाती है और पूजा के अंतिम दिन विसर्जन की प्रक्रिया को बड़े धूमधाम से आयोजित किया। जो विद्यार्थियों को न केवल धार्मिक आस्था का अनुभव कराता है, बल्कि एकता और सामूहिकता की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। इस दिन देवी दुर्गा की पूजा के बाद उनकी प्रतिमा को एक जलाशय, नदी या अन्य जल स्रोत में विसर्जित किया जाता है। विसर्जन का अर्थ होता है देवी या देवता की मूर्ति को विदाई देना। विसर्जन प्रक्रिया के दौरान जल में मूर्ति का विसर्जन, जीवन के शुद्धिकरण का प्रतीक होता है

रावण दहन :- नवरात्रि के अंतिम दिन भा.प्रौ.सं. जोधपुर में दशहरा का आयोजन रखा गया। रावण दहन का आयोजन रामलीला के समापन के रूप में किया गया , जिसमें रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद की विशाल पुतलों को आग के हवाले किया जाता है। यह एक दृष्टान्त है, जो बुराई पर अच्छाई की विजय और धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक है। रावण दहन का प्रमुख उद्देश्य धर्म की अधर्म पर विजय और सच्चाई की झूठ पर जीत का प्रतीक है। रावण का दहन इस संदेश को देता है कि अंततः बुराई हार जाती है और अच्छाई हमेशा विजयी होती है। छात्रों और कर्मचारियों ने इसे एक भव्य सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया।

नवरात्रि उत्सव के अंतिम दिन देवी दुर्गा की पूजा और रामलीला के छायाचित्र

राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024

राजस्थान सरकार द्वारा **"राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024"** का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य राज्य में निवेश को आकर्षित करना, व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देना और राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास को गति देना है। यह सम्मेलन राजस्थान को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने राजस्थान के विकास में भागीदारी के लिए एक प्रेरक दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने अक्षय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, विरासत संरक्षण और अन्य क्षेत्रों में क्षेत्र-विशिष्ट सहयोग के लिए संस्थान की तत्परता पर प्रकाश डाला। भा.प्रौ.सं. जोधपुर जैव प्रौद्योगिकी, एआई, हरित प्रौद्योगिकियों, ब्लॉकचेन-आधारित भूमि रिकॉर्डिंग और शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने, राज्य के लिए सतत विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 में, "रहने योग्य शहरों के लिए जल प्रबंधन" पर डेनमार्क कंट्री सेशन ने महत्वपूर्ण जल सुरक्षा और सतत संसाधन प्रबंधन चुनौतियों, विशेष रूप से राजस्थान की शुष्क जलवायु के लिए प्रासंगिक को संबोधित करने के लिए विशेषज्ञों और नेताओं की एक प्रभावशाली सूची को एक साथ लाया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल एक प्रतिष्ठित पैनलिस्ट थे, जिन्होंने जलवायु लचीलापन, प्रभावी जल प्रबंधन और सतत शहरीकरण के लिए अभिनव, शोध-संचालित समाधानों पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। प्रोफेसर अग्रवाल ने जल संरक्षण और संसाधन दक्षता में अंतःविषय अनुसंधान और तकनीकी नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी जोधपुर की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जो पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए संस्थान के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है।

सत्र में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में राजस्थान के माननीय लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग मंत्री श्री कन्हैया लाल चौधरी, राजस्थान के पीएचईडी के प्रमुख सचिव श्री भास्कर ए सावंत, आईएएस और भारत में डेनमार्क दूतावास के मंत्री परामर्शदाता श्री सोरेन एन. कन्निक-मार्क्वार्डसेन शामिल थे। चर्चा में जलवायु लचीलापन रणनीतियों, स्वास्थ्य सेवा और विनिर्माण में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल और स्थानीय समाधानों के साथ वैश्विक विशेषज्ञता के एकीकरण को शामिल किया गया था।

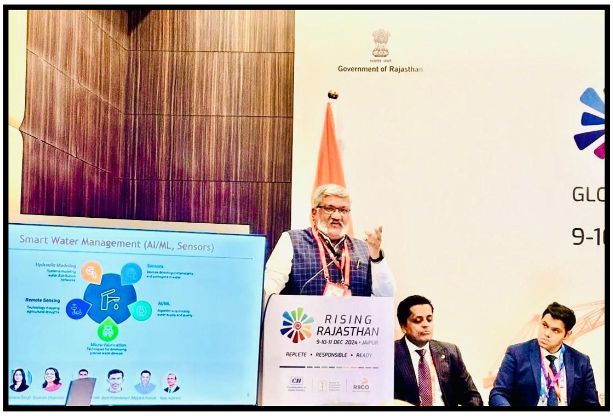

निदेशक महोदय द्वारा भाषण

ग्राम पंचायत विकास योजना

ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में समावेशिता और स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

कार्यशाला के मुख्य छायाचित्र

उन्नत भारत अभियान (UBA) के क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (RCI) के रूप में कार्यरत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने यूनिसेफ के सहयोग से 15-16 दिसंबर 2024 को "बाल-केंद्रित, लिंग-संवेदनशील और शॉक-प्रतिक्रिया ग्राम पंचायत विकास योजनाएं (GPDPs) तैयार करने हेतु सहभागी संस्थानों (PIs) को मार्गदर्शन" पर दो दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सहभागी संस्थानों की क्षमता को सशक्त बनाना था, ताकि वे ग्राम पंचायतों को समावेशी और प्रतिक्रियाशील ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने में समर्थ बना सकें। उन्नत भारत अभियान के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. विवेक विजय ने उन्नत भारत अभियान के प्रमुख विषय क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण विकास में अभियान की उपयोगिता पर चर्चा की। कार्यशाला में विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि ग्राम पंचायत विकास योजनाएं समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं की आवश्यकताओं का ध्यान रखें और वे आपदाओं और संकटों से निपटने के लिए सक्षम हों।

छह सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला में ग्राम पंचायत विकास योजना के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। इन सत्रों में विशेषज्ञों ने यह बताया कि कैसे ग्राम पंचायतों को मार्गदर्शन के माध्यम से समावेशी और सतत विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन हेतु प्रशस्त किया जा सकता है।

इस कार्यशाला ने ग्रामीण विकास के लिए समावेशिता और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण किया, जिससे यह सुनिश्चित किया गया कि ग्राम पंचायत विकास योजनाएं अधिक समावेशी, सतत और सभी प्रकार के संकटों के प्रति प्रतिक्रियाशील हों, जिससे ग्रामीण विकास में स्थायित्व और समृद्धि आए।

"ग्राम स्तरीय नेतृत्व में नया चेहरा"

9 नवंबर, 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में "नेतृत्व की आवाज़: महिला सरपंचों द्वारा ग्रामीण स्थानीय शासन का रूपांतरण" विषय पर एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 15 महिला सरपंचों, यूनिसेफ और पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य महिला सरपंचों के नेतृत्व को सशक्त बनाना था, ताकि वे अपने गांवों में सकारात्मक बदलाव ला सकें। महिला सरपंचों ने ग्राम विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, बाल कल्याण और महिलाओं की भागीदारी से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा किए और बताया कि वे इन मुद्दों पर कैसे काम कर रही हैं और इस कार्य में किस प्रकार की चुनौतियों का सामना उनके द्वारा किया जा रहा हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास के लिए फंड, नियमित प्रशिक्षण, महिला सभा की अनिवार्यता, और गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की। कार्यक्रम का संचालन उन्नत भारत अभियान से संलग्न सहायक आचार्य (Assistant Professor) डॉ. आकांक्षा चौधरी ने किया

इस कार्यक्रम ने महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने और पंचायती राज संस्थानों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। भा.प्रौ.सं. जोधपुर और यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन ने महिला सरपंचों को एक मंच प्रदान किया, जिससे वे अपने अनुभव साझा कर सकीं और अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव के लिए रणनीतियाँ बना सकीं। यह कार्यक्रम उन्नत भारत अभियान (UBA) के तहत महिला नेतृत्व के सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसने यह सिद्ध किया कि महिलाओं को अगर सही दिशा, संसाधन और अवसर मिलें, तो वे अपने गांवों में सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन ला सकती हैं।

कार्यशाला के मुख्य छायाचित्र

समझौता ज्ञापन

जेनपैक्ट

भा.प्रौ.सं. जोधपुर को चेयर प्रोफेसर पद और कॉर्पोरेट-वित्त पोषित पीएचडी फेलोशिप स्थापित करने के लिए जेनपैक्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। इस साझेदारी का उद्देश्य अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देना और नवाचार को बढ़ावा देना है, जिससे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भविष्य के नेताओं को सशक्त बनाया जा सके।

एनआईटीके सुरथकल

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश के. अग्रवाल और एनआईटीके सुरथकल के निदेशक प्रो. बी रवि ने हस्ताक्षर किए गये। यह साझेदारी दो प्रमुख संस्थानों के बीच अनुसंधान सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है। इस सहयोग के हिस्से के रूप में, भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने विशेष रूप से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए के साथ एनआईटीके सुरथकल के मेधावी बी.टेक छात्रों के लिए पीएचडी कार्यक्रम में सीधे प्रवेश की शुरुआत की है।

पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ऑफ इंडिया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ऑफ इंडिया (PATI) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस प्रेरक सहयोग के हिस्से के रूप में, भा.प्रौ.सं. जोधपुर में अपने आर्टिस्ट-इन-रेजीडेंसी कार्यक्रम की घोषणा कि गयी है।

"महान कार्य को करने का एक ही तरीका है, जो आप कर रहे हैं उसे पसंद करें।" - स्टीव जॉब्स

"आपका समय सीमित है, इसलिए इसे किसी और की जिंदगी जीने में बर्बाद न करें।" - स्टीव जॉब्स

"कठिनाइयों के बिना सफलता का कोई मूल्य नहीं होता।" - ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

Certificate of Merit

Certificate of Merit

Certificate of Merit

Silver Medal

Certificate of Merit

Silver Medal

Silver Medal

Silver Medal

अक्टूबर - दिसंबर 2024 | अंक - 07

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर